

**आराइश स्त्री.** (फा.) सजावट, कागज़ के फूल-पत्ते, सजावट के लिए बनाए गए कृत्रिम फूल-पत्ते।

**आराइशी वि.** (फा.) सजावट के काम में आने वाला, साज-सज्जा के काम में आने वाला।

**आराकश पुं.** (फा.) आरा खींचने (चलाने) वाला।

**आराकशी स्त्री.** (फा.) बड़े-बड़े आरों से लकड़ी को चीरने का कार्य।

**आराज़ी स्त्री.** (अर.) 1. भूमि, जमीन 2. कृषि, खेती 3. उपजाऊ भूमि, खेत।

**आराति पुं.** (तत्.) शत्रु, वैरी।

**आरात्रिक पुं.** (तत्.) आरती, नीराजन 2. रत्नदीप रखने का पात्र, आरती की सामग्री रखने का पात्र।

**आराधक पुं.** (तत्.) उपासक, पूजा करनेवाला।

**आराधन पुं.** (तत्.) 1. उपासना करना, पूजा 2. तुष्ट करना, प्रसन्न करना 3. सम्मान करना 4. सेवा करना 5. तुष्टीकरण।

**आराधना स्त्री.** (तत्.) 1. पूजा, उपासना 2. सेवा स.क्रि. (तत्.) उपासना करना।

**आराधनीय वि.** (तत्.) 1. आराधना योग्य, पूज्य 2. प्रसन्न करने योग्य 3. सेवा के योग्य, सेव्य।

**आराधित वि.** (तत्.) पूजित, सेवित।

**आराध्य वि.** (तत्.) 1. आराधना करने योग्य 2. इष्ट।

**आराम पुं.** (फा.) 1. विश्राम 2. सुख, प्रसन्नता (तत्.) बगीचा, उद्यान, उपवन 3. एक वृत्त वि. (फा.) नीरोग, स्वस्थ, चंगा।

**आरामकुर्सी स्त्री.** (फा.) लंबी कुरसी जिस पर पैर लंबे करके लेटा जा सकता है, सुखासंदी।

**आरामख्वाह वि.** (फा.) आराम की इच्छा वाला, परिश्रम से दूर रहने वाला।

**आरामगाह स्त्री.** (फा.) आराम करने का सुविधाजनक स्थान, सुस्ताने का कक्ष।

**आरामगृह स्त्री.** (फा+तत्.) आराम करने की जगह; सोने का कमरा, शयनागार, ठहरने की जगह।

**आरामतलब वि.** (फा.) 1. सुख चाहने वाला 2. आलसी।

**आरामदेह वि.** (फा.) सुखदायी, सुख देने वाला, आराम देने वाला पुं. (फा.) आराम पहुँचाने वाली वस्तु या कार्य।

**आरामपसंद वि.** (फा.) दे. आरामतलब।

**आरिज़ी वि.** (अर.) 1. अस्थायी, क्षणिक, थोड़ी देर का 2. आकस्मिक।

**आरी स्त्री.** (फा.) छोटा आरा स्त्री. (तत्.) 1. कील 2. सुतारी 3. किनारा, कोर वि. (अर.) 1. नंगा 2. रिक्त 3. शून्य 4. थका, उबा हुआ।

**आरुण वि.** (तत्.) अरुण से संबंधित।

**आरुणि वि.** (तत्.) 1. अरुण का पुत्र या वंशज 2. सूर्य के पुत्र यम 3. दक्ष प्रजापति की पुत्री विनता के पुत्र, अरुण के वंशज 4. महर्षि उद्दालक का बचपन का नाम।

**आरुण्य पुं.** (तत्.) 1. अरुणता, लाली, सुर्खी 2. उज्ज्वला।

**आरूक्षु वि.** (तत्.) 1. योग. योगारूढ़ होने की इच्छा रखने वाला (साधक) 2. चढ़ने का इच्छुक।

**आरु पुं.** (तत्.) 1. पिंगल वर्ण 2. पीला रंग वि. पिंगल वर्ण का, भूरापन लिए हुए लाल 3. शूकर, सुअर 4. केकड़ा 5. एक वृक्ष 6. घड़ा।

**आरूक वि.** (तत्.) 1. एक जड़ी बूटी जो हिमालय में पाई जाती है 2. आलूबुखारा 3. हानिकारक, नुकसान पहुँचाने वाला पुं. दवा के काम आनेवाला एक पौधा जो हिमालय पर उत्पन्न होता है।

**आरूढ़ वि.** (तत्.) 1. चढ़ा हुआ, सवार 2. दृढ़, स्थिर।

**आरूढयौवना स्त्री.** (तत्.) यौवन की शोभा से परिपूर्ण नारी, नायिका भेद में इस प्रकार की नायिका।